K-0096
Third Year B. A. Examination
September/October – 2012
Hindi Comp.

Time : 3 Hours] [Total Marks : 70

सूचना :

(१)

નીચે દર્શાવેલ ☛ નિશાનીવાળી વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
Fillup strictly the details of ☛ signs on your answer book.

Name of the Examination :
☛ **T. Y. B. A.**

Name of the Subject :
☛ **Hindi Comp.**

☛ Subject Code No. : **0 0 9 6** ☛ Section No. (1, 2,.....) : **NIL**

Seat No. :

Student's Signature

(२) प्रश्नों के अंक सामने दर्शाये गए है।

१ किसी एक विषय पर निबंध लिखिए : १५

(१) राष्ट्रभाषा की जीवन्तता : एक मूल्यांकन।

(२) 'स्वर्णिम गुजरात' मेरी दृष्टि से।

(३) भ्रष्टाचार : एक वैश्विक समस्या।

(४) हाय रे.......महँगाई।

२ 'उसने कहा था' कहानी भारतीय सैनिक के बलिदान की गाथा है।'' इस कथन की पुष्टि कीजिए। १०

अथवा

२ ''भारतीय नारी उपेक्षा का भाव समाज में आज भी बरकरार है।'' इस विधान के प्रकाश में मालती के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए। १०

३ 'कबीरा खड़ा बाजार में' नाटक एक सौदृश्य रचना है।'' सिद्ध कीजिए। १०

अथवा

३ वातावरण – निरूपण की दृष्टि से 'कबीरा खडा बाजार में' नाटक का मूल्यांकन कीजिए। १०

४ (अ) टिप्पणियाँ लिखिए : १०

(१) 'चीज की रावत' कहानी में निहित व्यंग्य।

अथवा

(१) 'पूस की रात' कहानी का उद्देश्य।

(२) क्रूर एवम् अत्याचारी कोतिवाल।

अथवा

(२) 'कबीरा खड़ा बाजार में' आधुनिकता।

(ब) ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : १०

(१) "कोई ऐसा धर्माचार नहीं जो इन्सान को इन्सान के साथ जोड़े, सभी इन्सान को इन्सान से अलग करते है, एक को दूसरे से दुश्मन बनाते है।"

अथवा

(१) "न घर न दुवार, बापू ने हमें कहाँ लाकर झौक दिया? एक पगलोट साधू के पास ? अंधरा गये थे, न घर देखा न वर।"

(२) "विश्वास? कदापि नहीं बुद्धगुप्त । जब में अपने हृदय पर विश्वास नहीं कर सकी, उसीने धोखा दिया, तब में कैसे कहूँ। मैं तुमसे घृणा करती हूँ, फिर भी, तुम्हारे लिए मर सकती हूँ। अंधेर है जलदस्यु। तुम्हें प्यार करती है।"

अथवा

(२) "सचमुच कोई मनुष्य मरना नहीं चाहता, चाहै वह कितना भी निकम्मा हो, या भयावह रोग से ग्रस्त हो, उसकी जीने की लालसा का कभी अंत नहीं होता।"

५ (अ) क्रिया की परिभाषा देते हुए उसके प्रकारों का परिचय दीजिए। १०

अथवा

(अ) काल की परिभाषा देते हुए उसके प्रकारो का परिचय दीजिए। १०

(ब) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए : ५

(१) कर्म और भाग्य सिक्के के दो पहलु है।

(२) दुःख हि जीवन की सच्ची कसोटी है।

(३) सुनौ सबकि करौ अपने मन की।

(४) डाल में चिड़िया बैठी है।

(५) पाँच हजार का टिकीट बिक गया।